980502 - A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX

कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course B)

(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **14** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड 'क'

1. अपठित गद्यांश **5**

सभ्यता का सूर्य उगने से पहले ही आदमी ने पेड़ - पौधों से नशीले पदार्थ पाकर उनका रसास्वादन शुरू कर दिया था। पुरातात्विक उत्खननों से पता चलता है कि पाषाण युग में भी अफ़ीम का सेवन किया जाता था। भाँग, गाँजा और चरस का इतिहास भी हजारों साल पुराना है। भारत, मिश्र, चीन और तुर्की में 3,000 वर्ष ईसा पूर्व से उनके प्रयोग के सुस्पष्ट उल्लेख मिलते हैं। दक्षिण अमेरिकी आदिवासी भी सदियों से कोकेन का सेवन करते आए हैं। उन्नीसवीं शती के उतरार्द्ध तक मन की तार तरंगो को रागमय बनाने के ये भ्रामक प्रयास आबादी के छोटे से हिस्से तक सीमित थे। जीवन को सच्चाइयों से मुँह मोड़ने के लिए थोड़े से लोग नशे की भूल - भूलैया में खो जाया करते थे। पर जैसे - जैसे जीवन का रूप बदला, तौर - तरीके और मूल्य बदले, चिलम का धुआँ समाज की रग - रग में बढ़ता - फैलता गया। परिणामस्वरूप आज कोई गम दूर करने, तो कोई शून्य, स्नेहरिक्त, नीरस जीवन में रस लाने के लिए, कोई उत्सुकतावश, तो कोई फैशनबुल दिखने - कहलाने के लिए नशे के नरक में धँसता जा रहा है।

(क) चिलम का धुआँ समाज की रग - रग में कैसे फैलता गया ? **1**

- (i) लोग चिलम के अभ्यस्त हो गए थे ।
- (ii) चिलम पीने से धुँआ निकलता है ।
- (iii) धुआँ निकलने का एक मात्र कारण चिलम था ।
- (iv) चिलम का धुआँ पर्यावरण को शुद्ध रखता था ।

(ख) 'सभ्यता का सूर्य उगने से पहले' का अर्थ है - **1**

- (i) लोग अनपढ़ थे ।
- (ii) लोग डरपोक थे ।
- (iii) लोग विकसित नहीं थे ।
- (iv) सूर्योदय नहीं होता था ।

(ग) लोग नशे की भूल - भूलैया में खो कैसे जाते थे ? **1**

- (i) नशे के कारण रास्ता सूझता नहीं था ।
- (ii) लोगों को भूल - भूलैया में खोना पसंद था ।
- (iii) नशे की भूल - भूलैया किसी जगह का नाम था ।
- (iv) जीवन की सच्चाइयों से मुँह मोड़ने के लिए खोना पसंद करते थे ।

(घ) पाषाण युग में किसका नशा किया जाता था ? **1**

- (i) भाँग (ii) गाँजा
- (iii) अफ़ीम (iv) चरस

(ङ) प्राय: मनुष्य नशे के नरक में धँसते क्यों जा रहे हैं ? **1**

- (i) फैशनेबुल दिखने को (ii) नीरस जीवन में रस लाने के लिए
- (iii) गम दूर करने के लिए (iv) उपरोक्त सभी

2. अपठित गद्यांश **5**

तथागत के प्रमुख शिष्य आनंद ने एक दिन तथागत को भिक्षु संघ को अंतिम उपदेश देने की बात कही। यह 'उपदेश' शब्द तथागत को चुभा क्योंकि बुद्ध ने कभी भी संघ का नेता बनने की कोशिश नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों से कभी भी कुछ नहीं छिपाया। उन्होंने आनंद को बताया कि अब वे अपने शरीर को अधिक चलाने के पक्ष में नहीं है। शोकाकुल स्वर में आनंद ने उनसे पूछा कि अब संघ के लिए क्या उचित है ? गौतम बुद्ध ने आनंद को समझाया कि अपना रास्ता स्वयं खोजो। अपना दीपक स्वयं बनो। अपनी आत्मा की शरण में जाओ, धर्म की शरण में जाओ। धर्म और विनय का उपदेश ही भक्तों का पथ - प्रदर्शन करेंगे। वर्षावास को समाप्ति पर तथागत वैशाली लौट आए। लिच्छवियों के प्रति तथागत का स्नेह भाव था इसलिए उन्हें अपना भिक्षा - पात्र स्मृतिस्वरूप दिया था। पावा नगरी के निकट पहुँच भिक्षु संघ को संबोधित कर बुद्ध ने समझाया कि ठीक अर्थ जानने से ही किसी महापुरुष के नीतिकथन उपदेश आदि को भली - भाँति समझा तथा ग्रहण किया जा सकता है। धर्म - ग्रंथ में लिखी सूक्तियों का गलत अर्थ निकालने और उनके अनुसार चलने का मतलब है अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना। इससे धर्म का पतन होता है ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों को चुनकर लिखिए -

(क) तथागत और आनंद के बीच कौन सा रिश्ता था ? **1**

(i) नेता और चेले का (ii) गुरू और शिष्य का

(iii) पिता और पुत्र का (iv) मित्रता का

(ख) 'अपना दीपक स्वयं बनो' का तात्पर्य है - **1**

(i) स्वयं के घर का दिया जलाना

(ii) साँझ और सवेरे दिया जलाना

(iii) दूसरों के घरों में जाकर दीपक जलाना

(iv) अपने आप को ज्ञान के राह पर चलाना

(ग) लिच्छवियों को भिक्षा - पात्र स्मृतिस्वरूप देने के पीछे कारण था - **1**

(i) वे अपने आप को नेता बताना चाहते थे ।

(ii) वे संघ छोड़कर जा रहे थे ।

(iii) लिच्छवियों के पास कोई भिक्षा - पात्र नहीं था ।

(iv) लिच्छवियों के प्रति स्नेह भाव था ।

(घ) धर्म का पतन किस प्रकार होता है ? **1**

(i) अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारने पर । (ii) स्वयं को श्रेष्ठ बताने पर ।

(iii) धर्म का गलत अर्थ निकालने पर । (iv) धर्म के शरण में जाने पर ।

(ङ) तथागत अपने शरीर को अधिक चलाने के पक्ष में नहीं थे, क्योंकि - **1**

(i) तथागत रूग्ण हो चले थे । (ii) तथागत को भोजन नहीं मिलता था ।

(iii) तथागत के समय अकाल पड़ा था । (iv) तथागत निर्वाण प्राप्त करना चाहते थे ।

3. अपठित काव्यांश **5**

दो व्यक्ति कमरे में कमरे से छोटे -
कमरा है घर में, घर है मुहल्ले में,
मुहल्ला नगर में, नगर है प्रदेश में,
प्रदेश कई देश में, देश कई पृथ्वी पर,
अनगिनत नक्षत्रों में पृथ्वी एक छोटी
करोड़ों में एक ही सबको समेटे है
परिधि नभ गंगा की
लाखों ब्रह्मांडों में अपना एक ब्रह्मांड
हर ब्रह्मांडो में कितनी ही पृथ्वियाँ
कितनी ही भूमियाँ, कितनी हो सृष्टियाँ
यह अनुपात है आदमी का विराट से
इस पर भी आदमी
ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा, अविश्वास लीन
संख्यातीत शंख - सी दीवारें उठाता है ।
अपने को दूजे का स्वामी बताता है
देश की कौन कहे
एक कमरे में दो दुनिया रचता है।

उपरोक्त काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उचित विकल्प छाँट कर लिखिए -

(क) कौन से अवगुण आदमी - आदमी में भेद - भाव पैदा करते हैं ? **1**

(i) ईर्ष्या, अहं, दया
(ii) इन्सानियत, प्रेम, अविश्वास
(iii) स्वार्थ, घृणा, अपनापन
(iv) स्वार्थ, घृणा, ईर्ष्या, अहं

(ख) एक कमरे में दो दुनिया रचाने से कवि का संकेत मनुष्य की किस प्रकृत्ति की ओर है ? **1**

(i) जनसंख्या वृद्धि के कारण दो दुनिया रचना
(ii) जगह की कमी के कारण दो दुनिया रचना
(iii) कमरे का न मिलना
(iv) स्वार्थ

(ग) आदमी अपने को दूजे का स्वामी क्यों बताता है ? **1**

(i) मानवता के कारण
(ii) उम्र में बड़े होने के कारण
(iii) स्वामित्व दिखाने के लिए
(iv) कोई अन्य उपाय न होने के कारण

(घ) कविता के अनुसार हमारा घर कहाँ है ? **1**

(i) प्रदेश में

(ii) पृथ्वी में

(iii) ब्रह्मांड में

(iv) मोहल्ले में

(ङ) कवि की कविता में वेदना है, क्योंकि - **1**

(i) मनुष्य में भाईचारा नहीं है

(ii) अपने को श्रेष्ठ बताता है

(iii) घृणा, अविश्वास फैलाता है

(iv) उपरोक्त सभी

4. अपठित काव्यांश **5**

बंधन छोड़ आज उड़ जाओ।
विहग! मुक्ति का गाना गाओ ।
अपनी ही इच्छा से हम तुम,
मुक्त और बंदी बन जाते,
अपने ही सुख - दुख में भूले
नित्य स्वप्न के महल बनाते ॥
अश्रु बिखेर चुके तुम अपने,
अब पल भर मुसकाओ ।
सागर की गर्जन देखी,
देखा निर्झर का बहना,
मध्य निशा में देखा झिलमिल
तारों का कुछ कहना ।
तुम भी अपने मधुर कंठ से
जीवन गीत सुनाओ।
आकुल कर देती है मुझको
यह पथ की दुर्बलता ।
घेरे रहती है प्राणों को
मेरे मन की ममता ॥
दैन्य, निराशा दूर हटा
तुम सुख के भाव जगाओ ।

उपरोक्त काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उचित विकल्प छाँट कर लिखिए -

(क) कविता में कवि संबोधित कर रहा है - **1**

(i) पक्षी को

(ii) मनुष्य को

(iii) पक्षी और मनुष्य को

(iv) अंधकार और निराशा को

(ख) सुख के भाव कब जागते है ? **1**

(i) धन - प्राप्ति पर

(ii) सम्मान मिलने पर

(iii) अंत:करण से निराशा छँटने पर

(iv) चिड़िया के उड़ जाने पर

(ग) उपयुक्त काव्यांश का शीर्षक है - **1**

(i) मुक्ति

(ii) ममता

(iii) सुख

(iv) निराशा

(घ) हमें मुक्त और बंदी कौन बनाता है ? **1**

(i) वातावरण

(ii) पर्यावरण

(iii) परिस्थितियाँ

(iv) सागर की गर्जन

(ङ) कविता में किन - किन प्राकृतिक तत्वों का उल्लेख है ? **1**

(i) सागर की गर्जना

(ii) निर्झर का बहना

(iii) मध्य निशा में तारों का झिलमिलाना

(iv) उपरोक्त सभी

खंड 'ख'

5. (क) 'मेखला' शब्द का सही वर्ण - विच्छेद है - 1

(i) म् + ऐ + ख् + ल + आ

(ii) म् + ए + ख् + अ + ल् + आ

(iii) म् + ए + ख् + ल् + आ

(iv) म् + ऐ + ख् + अ + ल् + अ + आ

(ख) 'गोधूलि' शब्द का वर्ण - विच्छेद है - 1

(i) गो् + अ + ध् + ऊ + लि + इ

(ii) ग् + ओ + ध् + उ + ल् + इ

(iii) ग् + ओ + ध् + ऊ + ल् + इ

(iv) ग् + अ + ओ + ध् + अ + ल् + इ

(ग) 'भौतिकी' शब्द का वर्ण विच्छेद है - 1

(i) भ् + औ + त् + इ + क् + ई

(ii) भ् + अ + औ + त् + इ + क् + ई

(iii) भ् + औ + त् + इ + क् + अ + ई

(iv) भ् + औ + त् + अ + इ + क् + ई

(घ) 'कण्ठअ' का मानक शब्द है - 1

(i) कंठ

(ii) कण्ठ

(iii) कठं

(iv) कन्ठ

6. (क) नीचे दिए गए शब्दों में से सही अनुनासिक शब्द छाँटकर लिखिए – 1

(i) कांचाँ

(ii) आँख

(iii) अंत

(iv) आंख

(ख) निम्नलिखित शब्दो में से सही नुक्ता वाले शब्द छाँटिए – 1

(i) मज़दूर, तूफ़ान

(ii) दरवाज़ा, नमक़

(iii) इस्तीफ़ा, क़मजोर

(iv) जरूर, तेज़

(ग) 'परोपकार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द है । 1

(i) पर + उपकार

(ii) परो + उपकार

(iii) परउ + पकार

(iv) प् + रउपकार

(घ) 'अनुगमन' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है – 1

(i) अनू

(ii) अन्उ

(iii) अनु

(iv) अनुग

7. (क) 'लुभावना' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है । 1

(i) भावना

(ii) आवना

(iii) वना

(iv) अवना

(ख) 'स्वप्निल' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय है – 1

(i) स्वप्न + अइल

(ii) स्व + प्नइल

(iii) स्वप्न + इल

(iv) स्वप् + नइल

(ग) 'उन्नति' शब्द का पर्यायवाची है – 1

(i) अभ्यागत

(ii) अभ्युदय

(iii) उल्लास

(iv) लालसा

(घ) 'पत्ता' शब्द का पर्यायवाची नहीं है – 1

(i) मद्‌य

(ii) दल

(iii) पर्ण

(iv) पत्र

8. (क) 'तमीज़' शब्द का विलोम है – 1

(i) बतमीज़

(ii) बत्तमीज़

(iii) बद्‌तमीज़

(iv) बातमीज़

(ख) 'ऋजु' शब्द का विलोम नहीं है – 1

(i) स्थूल

(ii) कुटिल

(iii) टेढ़ा

(iv) वक्र

(ग) 'कुल' शब्द के अनेकार्थक रूप है – 1

(i) वंश, सारा

(ii) काम, घर

(iii) किला, कार्य

(iv) धतूरा, सीधा

(घ) 'विधि' शब्द का अनेकार्थक शब्द नहीं है – 1

(i) कानून

(ii) रीति

(iii) ब्रह्मा

(iv) जवाब

9 (क) अधोमुख शब्द के लिए उपयुक्त वाक्यांश है - **1**

(i) जिसका मुख आधा हो

(ii) जिसका मुख आधा ऊपर और आधा नीचे हो

(iii) जिसका मुख नीचे हो

(iv) जिसका मुख बीच में लटका हो

(ख) 'दूर की बात सोचने वाला' के लिए उचित शब्द है - **1**

(i) दूरदर्शन

(ii) दूरदर्शी

(iii) दूरसंचार

(iv) दूरभाष

(ग) 'अक्ल पर पत्थर पड़ना' - इस मुहावरे का सही अर्थ विकल्प से छाँटिए - **1**

(i) विचार कर बोलना

(ii) पत्थर का भारी होना

(iii) सोच - विचार न करना

(iv) बात को हवा में उड़ाना

(घ) बुद्धिमान होने के कारण सीमा बड़े - बड़ों का ----- नीचे दिए विकल्प से उचित मुहावरा भरिए । **1**

(i) कंधे से कंधा मिलाती है

(ii) कान कतरती है

(iii) कानों में तेल डालती है

(iv) खरी खोटी सुनाती है

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए - **5**

अब कैसे छूटै, राम नाम रट लागी ।
प्रभुजी, तुम चंदन हम पानी, जाकि अँग - अँग बास समानी ।
प्रभुजी तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा ।
प्रभुजी तुम दीपक हम बाती, जोति बरै दिन राती ।
प्रभुजी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा।
प्रभुजी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा ॥

(क) उपरोक्त पद्यांश का मूल भाव क्या है ? **1**

(i) स्वयं को तुच्छ बताना
(ii) स्वयं को श्रेष्ठ बताना
(iii) उनसे (ईश्वर से) अपने अंतस में सदा विद्यमान रहने की कामना करना
(iv) ईश्वर का गुणगान करना

(ख) भगवान और भक्त की किन - किन चीजों से तुलना नहीं हुई है ? **1**

(i) मोती और धागा
(ii) सोना और चाँदी
(iii) सोना और सुहागा
(iv) दीपक और बाती

(ग) 'जोति' - शब्द का प्रचलित रूप लिखिए - **1**

(i) ज़्योति
(ii) जरित
(iii) ज्योति
(iv) जयोति

(घ) कवि ने अपने आराध्य को किन चीजों को संज्ञा दी है ? सही युग्म विकल्प होगा - **1**

(i) धागा, सुहागा
(ii) पानी, समानी
(iii) घन, चंदन
(iv) दास, बाती

(ङ) प्रस्तुत पद की भक्ति में रैदास ने स्वयं को क्या बताया है ? **1**

(i) सखा
(ii) दास
(iii) प्रेमी
(iv) प्रेमिका

अथवा

अशराफ़ और कमीने से ले शाह ता वज़ीर
ये आदमी ही करते हैं सब कारे दिलपज़ीर
यां आदमी मुरीद है और आदमी ही पीर
अच्छा भी आदमी ही कहाता है ए नज़ीर
और सबमें जो बुरा है सो है वो भी आदमी । **5**

(क) इस काव्यांश के रचयिता हैं - **1**

(i) नज़ीर अकबरा
(ii) नज़ीर अकबरावादी
(iii) अकबरावादी नज़ीर
(iv) नज़ीर

(ख) दिलपज़ीर का अर्थ है - **1**

(i) दिल का पाज़ी होना
(ii) दिल को लुभाने वाला
(iii) पाज़ीदिल
(iv) बेश्ज़्ज़ती करना

(ग) 'मुरीद होना' क्या है ? **1**

(i) काव्यांश है
(ii) मुहावरा है
(iii) लोकोक्ति है
(iv) कवि का एक उपनाम है ।

(घ) उपरोक्त पंक्ति में क्या अभिव्यक्त किया गया है ? **1**

(i) व्यंग्य
(ii) सलाह
(iii) परोपकार
(iv) मनोविनोद

(ङ) प्रस्तुत काव्यांश का मूल भाव क्या है ? **1**

(i) धार्मिक स्थान बनाने की
(ii) धार्मिक गुरु बनाने की
(iii) चोरी करने वाले की
(iv) आदमी के अच्छाइयों और बुराइयों का वर्णन

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **2.5+2.5=5**

(क) अखाड़े को मिट्‌टी में सनी हुई देह से शहरियों को उबकाई क्यों आने लगती है ?
(ख) पास - पड़ोस को दुकानों से पूछने पर लेखक को क्या पता लगा ?
(ग) प्लूम अर्थात भारी बर्फ़ का बड़ा फूल कैसे बनता है ?
(घ) गोधूलि को गाँव की संपति मानने के पीछे तर्क क्या है ?

12. खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुकने से रोकती है । क्यों ? **5**

अथवा

लेखिका के तंबू में गिरे बर्फ़ पिंड का वर्णन किस तरह किया गया है ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **5**

भगवाना परलोक चला गया। घर में जो कुछ चूनी-भूसी थी सो उसे विदा करने में चली गई। बाप नहीं रहा तो क्या, लड़के सुबह उठते ही भूख से बिलबिलाने लगे। दादी ने उन्हें खाने के लिए खरबूज़े दे दिए लेकिन बहू को क्या देती? बहू का बदन बुखार से तवे की तरह तप रहा था। अब बेटे के बिना बुढ़िया को दुअन्नी-चवन्नी भी कौन देता उधार ।

(i) दादी ने पोतों को खाने के लिए क्या दिया ? **1**

(ii) बहू को बुखार कैसे चढ़ा ? **2**

(iii) बुढ़िया को उधार क्यों नहीं मिल सकता था? **2**

अथवा

'नीच को धूरि समान' वेद वाक्य नहीं है। सती उसे माथे से, योद्धा उसे आँखों से लगाता है, युलिसिस ने प्रवास से लौटने पर इथाका की धूलि चूमी थी। यूक्रैन के मुक्त होने पर एक लाल सैनिक ने उसी श्रद्धा से वहाँ भी धूल का स्पर्श किया था। श्रद्धा, भक्ति, स्नेह इनकी चरम व्यंजना के लिए धूल से बढ़कर और कौन साधन है? यहाँ तक कि घृणा, असूया आदि के लिए भी धूल चाटने, धूल झाड़ने आदि की क्रियाएँ प्रचलित हैं ।

(i) लाल सैनिक द्वारा धूल का स्पर्श करना, किस बात का प्रतीक है ? **1**

(ii) धूल को सती माथे से, योद्धा आँखों से क्यों लगाता है ? **2**

(iii) घृणा, असूया के लिए किन क्रियाओं का प्रयोग हुआ है और क्यों ? **2**

14 (क) 'रैदास' ने अपने स्वामी को किन - किन नामों से पुकारा है ? **2**

(ख) लाख कोशिश करने पर भी बिगड़ी बात क्यों नहीं बन पाती है ? **2**

(ग) 'बिन पानी सब सून' का अर्थ क्या है ? **1**

15. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है ? **3**

अथवा

लेखक ने किन - किन युक्तियों से साँप का ध्यान बँटाने की कोशिश की थी ?

16. किस बात को सुनकर लेखक की रीढ़ में झुरझुरी सी दौड़ गई ? **2**

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए । (कोई-1) 5

(क) दूरदर्शन का अश्लीलता रूप

अश्लीलता - मनोवैज्ञानिक रूग्णता - मूल्यों की उपेक्षा - संयमता का अभाव

(ख) बचत का सुख

भावी भविष्य की संजीवनी - निश्चिंतता - बुरे वक्त में साथ - रीढ़ की हड्डी

(ग) महिला सशक्तिकरण

सकारात्मक असर - पुरूषों और बच्चों को लाभ - विश्व कल्याण संभव

(घ) आतंकवाद

आतंक का जन्म - असुरक्षा से अव्यवस्था - पोटा कानून - शांति का प्रयास

18. ग्रीष्मावकाश साथ बिताने के लिए मित्र को पत्र लिखिए 5

अथवा

बनाव - श्रृँगार में समय व्यतीत न करने की हिदायत देते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए ।

-oOo-